क्या पाया क्या छोड़ा हनुमान जी भजन लिरिक्स

क्या पाया क्या छोड़ा,

दोहा – हनुमान तेरी कृपा का,
भंडारा चल रहा है,
हर ओर घना अँधेरा,
मेरा दीप जल रहा है,
कोई रहा ना बेबस,
ना कोई अभागा,
तूने दिया भगत को,
किस्मतो से ज़्यादा।

सुध बुध खोई मैंने,
मन हनुमान से जोड़ा,
अब काहे मैं सोचूं,
क्या पाया क्या छोड़ा,
क्या पाया क्या छोडा।bd।

सूखे में सावन सा,
तू कश्ती तूफानों की,
गिनती ना हो पाए,
तेरे एहसानों की,
भक्तों ने जब भी पुकारा,
तू आया दौड़ा दौड़ा,
क्या पाया क्या छोडा।bd।

जो भी हनुमान को पूजे,
और चाहे सच्चे मन से,
कोसो दूर है रहता,
दु:ख उसके जीवन से,
सबने दु:ख में छोड़ा,
पर तूने मुख ना मोड़ा,
क्या पाया क्या छोडा।bd।

सुध बुध खोई मैंने,
मन हनुमान से जोड़ा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अब काहे मैं सोचूं,
क्या पाया क्या छोडा।bd।

Singer – Namrata Kushwah

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com